आकाशवाणी केन्द्र शिमला
07.12.2024 / प्रादेशिक समाचार / 19.45 बजे

मुख्य समाचार

- देशभर में टीबी उन्मूलन अभियान शुरू– मुख्यमंत्री ने कहा– स्वास्थ्य शिक्षा को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने पर विचार कर रही है सरकार।
- केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा– शिमला और पालमपुर रेलवे स्टेशनों में विकसित की जाएंगी अति आधुनिक सुविधाएं।
- पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग ठाकुर ने प्रदेश सरकार पर हर मोर्चे में विफल रहने का लगाया आरोप।
- युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करने व नशे से दूर रखने के संदेश के साथ शिमला में 2 दिवसीय सद्भावना किकेट टूर्नामेंट शुरू।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य सरकार स्वास्थ्य शिक्षा को स्कूली पाठयक्रम में शामिल करने पर विचार कर रही है। उन्होंने आज शिमला में नि–क्षय अभियान के तहत आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और एक मोबाईल वैन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश में नि–क्षय अभियान सौ दिन तक चलेगा और ये राज्य को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में कारगर साबित होगा। इस अभियान का उददेश्य टीबी के मामलों की समय पर पहचान, प्रभावी उपचार और समुदायों में जागरूकता सुनिश्चित करना है। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि ये अभियान प्रदेश के सभी जिलों में चलाया जाएगा और कमजोर वर्गों पर विशेष ध्यान केंद्रित होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार कर रही है।

अश्विनी वैष्णव

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हिमाचल के अंब–अंदौरा, बैजनाथ, पपरोला, पालमपुर और शिमला रेलवे स्टेशन का चयन किया गया है। राज्यसभा में सांसद इंदु गोस्वामी के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अंब–अंदौरा और बैजनाथ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए टैंडर अवॉर्ड कर दिए गए हैं। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पालमपुर व शिमला रेलवे स्टेशनों को मास्टर प्लान के तहत कवर किया गया है और इनमें अति आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। रेल मंत्री ने कहा कि हिमाचल सरकार द्वारा अपनी हिस्सेदारी की अदायगी न करने से प्रदेश में रेल निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है।

मुख्यमंत्री अपील

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने लोगों से सशस्त्र कल्याण कोष में उदारता से अंशदान करने की अपील की है। सशस्त्र सेना झंडा दिवस के मौके पर आज शिमला में सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर मदनशील शर्मा ने मुख्यमंत्री को झंडा लगाया। मुख्यमंत्री ने सशस्त्र कल्याण कोष में अंशदान किया और कहा कि देश की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहने वाले वीर सैनिकों पर हमें गर्व है। उन्होंने कहा कि ये दिन राष्ट्र के सजग प्रहरियों के अविस्मरणीय बलिदानों व सेवाओं को याद करने का दिन है। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि देश के सशस्त्र बलों का गौरवशाली इतिहास रहा है। सैनिक कल्याण मंत्री धनीराम शांडिल भी इस मौके मौजूद रहे।

भाजपा

प्रदेश में आज भाजपा ने राज्य सरकार के 2 वर्ष के कथित कुशासन को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। ऊना में हुए कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने राज्य सरकार पर हर क्षेत्र में नाकाम रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मौजूदा कांग्रेस सरकार इतिहास की सबसे दिशाहीन और असंवेदनशील सरकार है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने लोगों से किए एक भी वायदे को पूरा नहीं किया है।

राजीव भारद्वाज

कांगड़ा के सांसद राजीव भारद्वाज ने आज चंबा में ज़िला विकास समन्वय व निगरानी समिति दिशा की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। राजीव भारद्वाज ने अधिकारियों को सभी विकास परियोजनाएं तय समय में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक पहुचांने के लिए ज़िले के दूरदराज के क्षेत्रों में जागरूकता शिविर लगाए जाएं, ताकि पात्र लोगों को उनका लाभ मिल सके। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, सांसद आदर्श ग्राम योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और स्वच्छ भारत मिशन पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

सद्भावना किकेट

राज्यपाल एकादश, मुख्यमंत्री एकादश, मुख्य न्यायाधीश एकादश और प्रैस एकादश की टीमों के बीच दो दिवसीय सद्भावना किकेट टूर्नामेंट आज से शिमला के बी.सी.एस. ग्राउंड में शुरू हुआ। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल और मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने संयुक्त रूप से इसका शुभारंभ किया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखने और खेलों में भाग लेने का संदेश देना है। राज्यपाल ने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं का खेलों के प्रति रूझान बढ़ेगा और सामूहिक प्रयासों से ही नशे का खातमा संभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को खेलों की ओर आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार प्रयासरत है और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश के सभी युवाओं से नशे से दूर रहकर खेलों में बढ़चढ़ कर भाग लेने का आह्वान किया। आज खेले गए पहले मैच में राज्यपाल एकादश की टीम ने प्रैस एकादश को जबकि दूसरे मैच में मुख्य न्यायाधीश एकादश ने मुख्यमंत्री एकादश को पराजित किया।

सिकंदर कुमार

केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि वित्त वर्ष 2021–22 और 2022–23 में हिमाचल से निर्यात किए गए समुद्री उत्पादों का मूल्य 25 करोड़ 29 लाख रूपये से अधिक रहा है। उन्होंने सांसद डॉक्टर सिकंदर कुमार द्वारा राज्यसभा में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि वित्त वर्ष 23–24 में प्रदेश से समुद्री उत्पादों का कोई निर्यात नहीं हुआ है। पीयूष गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार समुद्री उत्पाद निर्यात प्राधिकरण के माध्यम से हिमाचल सहित देश से समुद्री उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उपाय कर रही है। डॉक्टर सिकंदर कुमार ने इस्पात विनिर्माण प्रक्रिया को कार्बनमुक्त बनाने के लिए सरकार की ओर से किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी केंद्रीय इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी से मांगी।

आईजीएमसी

शिमला के आई.जी.एम.सी. में आज मोटापे को लेकर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। आई.जी.एम.सी. शिमला और ओबेसिटी सर्जरी सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने मोटापे से होने वाले नुकसान और इससे बचाव के बारे में अपने विचार प्रकट किए। पत्रकारों से बातचीत में डॉक्टर रणदीप वधावन ने कहा कि देश की लगभग 5 फीसदी आबादी मोटापे का शिकार है और इनकी संख्या 7 करोड़ के आसपास है। उन्होंने कहा कि हिमाचल के लोगों की जीवन शैली मैदानी इलाकों की अपेक्षा बेहतर है और यहां मात्र 14 फीसदी आबादी ही मोटापे का शिकार हैं। इस मौके पर आयोजन अध्यक्ष डॉक्टर विवेक बिंदल ने कहा कि मोटापे से बचने के लिए सही जीवन शैली को अपनान जरूरी है और बच्चों को भी चिप्स जैसे उत्पादों से दूर रखना होगा।

रोहित ठाकुर

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने पूर्व भाजपा सरकार पर शिक्षा क्षेत्र की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। शिमला से जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में तीसरे स्थान पर रहने वाला हिमाचल पूर्व भाजपा सरकार के कुप्रबंधन के कारण वर्ष 2021 के राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण में 21वें स्थान पर पहुंच गया। रोहित ठाकुर ने कहा कि जब कांग्रेस सरकार सत्ता में आई, उस समय साढ़े 3 सौ स्कूल बिना अध्यापकों के चल रहे थे और 3 हज़ार 4 सौ स्कूल मात्र एक–एक शिक्षक के सहारे चल रहे थे। उन्होंने दावा किया कि वर्तमान राज्य सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में सुधार किया है और शिक्षा विभाग में 15 हज़ार पद भरने का निर्णय लिया है।